सं ग्रो॰ वि॰ एफ ॰ डी॰ / 52-86 / 47669 - ग्रंकि हरियाणा के राज्यंपाल की राय है कि मैं॰ कास्ट्रं-ई-कुला, प्लाट नं 108, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री बुध राम, पुत श्री मोती राम मार्फत श्री चमन लाल ग्रोबराय, 1-ए / 119 एन० ग्राई० ी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीडोपिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरिवाणां के राज्यपाल इस विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलियों, अब, अौकोगिक विवाद अविनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा अदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गढ़िक औंकोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद की नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादशस्त्र मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्यां श्री बुध राम की सेवाओं का समापन न्याबोचित तथा ठीक हैं? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हक्दार हैं?

सं बो वि /एफ वि / 225-86/47676. चुंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं इन्होंपील के को सिंगिम मर्बानरी प्रा० लिं०, प्लाट नं० 28, सैंबटर 27-सी, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री महेन्द्र पाल, पुत्त स्वर्गीय श्री अमर सिंह, मं. नं० एफ - 297, खुमार गली, बदरपुर, यू दिल्ली, तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित सामले के सम्बन्ध में कोई औदोशिक विवाद है;

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निविष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसिजए, ग्रव, भौधोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गर्ड शिक्तकों का प्रयोग करते हुये हरियाणां के राष्यवाल इसके द्वारा उन्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गंठित श्रीक्षोगिक श्रीक्षिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे जिनिर्दिष्ट मामला जोकि उन्त प्रवन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित वामला है, न्यायनिणय एवं वंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्यां श्री महेन्द्र पाल, पुत्न श्री समर सिंह की सेवास्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं को बि ्रिफ बी | 53-86 | 47683 - चूर्ति हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं कास्ट-ई-कुला, प्लाट नं 168, सैबटर 6, परीदाबाद के श्रमिक श्री सने ही लाल, पुल श्री छोटे लाल, मार्फल श्री चमन लाल श्रोबराय, 1-ए/119, एन काई टी , परीदाबाद हमा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बद्ध में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

ग्रीर चुकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को वायायिन र्णय हैते निविष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, भी खे निक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई अवितयों का प्रयोग करते हुने हिरियाणा के राज्यवाल इसके द्वारा उन्न अधिनियम की धारा 7न के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हिरियाणा, परीदाबाद, को भी चे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उन्न प्रवत्यकों तथा श्रीमिकों के बीच या तो विवादग्रें सामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

वया श्री सनेही लाल की सेवाभ्रों का समायन न्याबीचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

सं भी विक विक विक शिवानी १ अने 8 से 47781. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व बजाज इन्डस्ट्रीज, इण्डर्ट्रियल एरिया, कुंक अप रोड, करनाल के असिक और श्रेट खान, बुज और दीन में हम्मद मार्फ्त श्री जुंग बहादुर यादव, बी० एम० एस० का बिल्य, डी० बी० 150 चार चमन, करनाल तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीकोशिक विवाद है;

और मूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की त्यावनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई अबिन्तयों का प्रयोग करते दुवे हरियाणा के राज्यवाल इनके द्वारा सरकारी अधिनुवना तं 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अबिन्, 1984 द्वारा उक्त अधिम् की धारा 7 के अधीन गटित अम न्यायालय, अम्बाला की विवाद अस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय एवं पंचाट तीन नास ने देने हें तु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवाद अस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या औ शेरखान की सेवालीं का समापत त्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहतं का तकदार है ?